किसी की हिम्मत नही होती थी कि सचिन को स्लेज करे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज बासित अली ने खुलासा किया है कि जब सचिन तेंडुलकर खेलते थे तब किसी खिलाड़ी में उन्हें स्लेज करने का साहस नहीं होता था। उन्होंने साथ यह भी कहा कि सचिन जिस तरह से गेंदबाजी करते थे उन्हें सिर्फ पार्ट–टाइम बोलर कहना ठीक नहीं होगा। बासित अली शो में उन्होंने भारतीय क्रिकेटरों से अपनी प्रतिस्पर्धा का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि मैदान पर और उसके बाहर दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच कैसा संबंध था। उनसे जब पूछा गया कि कौन सा विकेटकीपर उन्हें सबसे ज्यादा स्लेज करता था तो 49 वर्षीय अली ने पूर्व भारतीय विकेटकीपर नयन मोंगिया का नाम लिया। उन्होंने कहा, नयन मोंगिया बहुत डिस्टर्ब करते थे। वह ऐसी बातें करते थे, जो मैं यहां बता नहीं सकता। जब वह अंडर–19 टीम के साथ यहां आए तो मैं बहुत मासूम था, लेकिन बाद में मैं भी काफी शरारती बन गया।

सिद्धू और विनोद कांबली पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के निशाने पर थे

बासित अली ने कहा कि अजय जडेजा भी काफी स्लेज किया करते थे वहीं नवजोत सिंह सिद्धू और विनोद कांबली पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के निशाने पर रहते थे।

इस बार भारत के खिलाफ कमजोर नहीं ऑस्ट्रेलिया

क्रिकेट

कोविड– 19 के चलते अगर हालात नहीं सुधरे तो दर्शकों बिना होगी यह सीरीज

- भारत–ऑस्ट्रेलिया सीरीज में दर्शकों की कमी का असर खिलाड़ियों पर नहीं होगाः टिम
- पिछली बार भारत ने 2–1 से दी थी मात, कंगारुओं के घर पर जीती पहली टेस्ट सीरीज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चेन्नै। भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली सीरीज में भले ही अभी 6 महीने का समय बाकी हो। लेकिन इस सीरीज का माहौल अभी से बनने लगा है और इस पर चर्चाएं भी होने लगी हैं। वैश्विक महामारी कोविड– 19 का असर भी इस सीरीज पर पड़ेगा। क्योंकि इस महामारी को लेकर अगर हालात बेहतर नहीं हुए तो यह सीरीज बगैर दर्शकों के खाली स्टेडियमों में ही खेली जाएगी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन मानते हैं कि दर्शकों की कमी का असर खिलाड़ियों पर नहीं होगा।

पेन मंगलवार को वीडियो कॉल के जरिए पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इसका (बगैर दर्शकों के) किसी पर कोई असर होगा। जब एक बार आप मैदान पर होंगे। तब सारा ध्यान पर पिच पर ही होगा कि वहां क्या हो रहा है। जैसे ही दोनों टीमों के बीच यह संघर्ष शुरू होगा ज्यादातर खिलाड़ी दर्शकों को भूल जाएंगे। दर्शक हों या न हों, खिलाड़ी अपनी परफॉर्म करेंगे और अपनी क्षमताओं को और बेहतर बनाने पर ही ध्यान लगाएंगे।

35 वर्षीय पेन ने कहा, साल की सबसे बड़ी यह सीरीज यह निर्णय करेगी कि मेजबान मेहमान टीम के मजबूत बोलिंग अटैक का सामना कैसे करते हैं। उस पिछली सीरीज में हम कई मौकों पर बहुत रन नहीं बना पाए थे, जिससे की हम उन्हें दबाव में ला पाते। आपको टेस्ट मैच में जीत की स्थिति में आने के लिए अभी भी रन बनाने होते हैं।

उन्होंने कहा, वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई टीम 2018–19 की सीरीज के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। हमने पिछले बार उनके (भारत) खिलाफ निश्चितरूप से संघर्ष किया था। तब वे बेहतर खेले थे। मुझे पूरा भरोसा है कि हमने उनके खिलाफ खेलकर बहुत कुछ सीखा है और हम मानते हैं कि इस बार हम तब के मुकाबले एक बेहतर टीम हैं।

जिंदगी जीना सिखाता है टेस्ट क्रिकेट, यही सबसे बेस्टः गेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सीमित ओवरों की क्रिकेट में विशेष छाप छोड़ने वाले क्रिस गेल ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट से अधिक चुनौतीपूर्ण कुछ भी नहीं है। यह ऐसा फॉर्मेट है जिससे आपको जिंदगी की जटिलताओं को समझने में मदद मिलती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के ऑनलाइन कार्यक्रम ओपन नेट्स में मयंक अग्रवाल से बात करते हुए गेल ने कहा कि टेस्ट से मिले अनुभव के आगे बाकी चीजें फीकी हैं।

गेल ने अपने करियर में 103 टेस्ट मैच खेले लेकिन 2014 के बाद उन्होंने लंबे प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है। गेल ने कहा, ‘टेस्ट क्रिकेट सर्वश्रेष्ठ है। टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए आपको यह सीखने का भी अवसर मिलता है कि जिंदगी कैसी जीनी है क्योंकि 5 दिवसीय क्रिकेट खेलना काफी चुनौतीपूर्ण है। यह आपकी कई तरह से परीक्षा लेता है। यह आपकी कई बार परीक्षा लेता है। यह सुनिश्चित करता है कि आप जो कुछ भी कर रहे हैं उसमें अनुशासित बने रहो।

40 वर्षीय इस बल्लेबाज ने कहा, यह आपको मुश्किल परिस्थितियों से वापसी करना भी सिखाता है। भारतीय कप्तान और इंडियन प्रीमियर लीग में गेल के पूर्व साथी विराट कोहली ने भी इसी तरह की बात की थी। उन्होंने दावा किया था कि इस पारंपरिक प्रारूप को खेलते हुए उन्होंने जिंदगी जीने के सबक सीखे।

गेल पर हमेशा छोटे प्रारूपों पर ध्यान देने का आरोप लगता रहा लेकिन इस लेफ्टहैंडर बल्लेबाज ने युवाओं को टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की सलाह दी लेकिन साथ ही कहा कि इसमें इतना अधिक मगन नहीं होना है कि उन्हें इससे इतर जिंदगी कुछ न लगे। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट से आपको अपने कौशल और मानसिक मजबूती का आकलन करने का मौका मिलता है। समर्पित भाव से इसे खेलो और जो भी कर रहे हो उसका आनंद लो।

भारत ने सात साल पहले जीती थी चौंपियंस ट्रोफी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जून 23 तारीख भारतीय क्रिकेट और महेंद्र सिंह धोनी के लिए बहुत खास है। इसी दिन 7 साल पहले सन् 2013 में धोनी की कप्तानी में भारत ने चौंपियंस ट्रोफी पर कब्जा किया था। इसके साथ ही महेंद्र सिंह धोनी तीनों आईसीसी चौंपियनशिप जीतने वाले पहले कप्तान बन गए थे। भारत ने फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को पांच रन से हराया था। भारत की जीत में रविंद्र जडेजा का अहम रोल था। बारिश के कारण मैच को 20–20 ओवर का कर दिया गया था। जीत के लिए मिले 130 रन के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 124 रन ही बना सकी। भारत के लिए ईशांत, अश्विन और जडेजा ने 2–2 विकेट झटके, जबकि इंग्लैंड के लिए मोर्गन ने सबसे अधिक 33 और बोपारा ने 30 रन बनाए। रविंद्र जडेजा को मैन ऑफ द मैच और शिखर धवन को मैन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। इस जीत के साथ ही महेन्द्र सिंह धोनी तीन वर्ल्ड टाइटल्स जीतने वाले पहले कप्तान बन गए। इससे पहले भारत धोनी की कप्तानी में वर्ष 2007 में टी–20 विश्वकप और वर्ष 2011 में 50 ओवरों का वर्ल्ड कप जीता था।

न्यूज डायरी

विवियन की तरह करते हैं बैटिंग इसलिए विराट नंबर वन बल्लेबाजः गावसकर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सुनील गावसकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की तुलना विवियन रिचर्ड्स से की है। गावसकर ने कहा कि विराट को इस वजह से नंबर वन बल्लेबाज माना जात है क्योंकि वह बिलकुल विवियन रिचर्ड्स की तरह बल्लेबाजी करते हैं। 25 जून को भारत की 1983 विश्व कप जीत की वर्षगांठ है। 37 साल पहले इसी दिन भारतीय टीम ने मजबूत वेस्टइंडीज को हराकर लॉर्ड्स के मैदान पर इतिहास रचा था। गावसकर ने कहा, विवियन रिचर्ड्स पर क्रीज पर होते थे तो उन्हें रोक पाना आसान नहीं होता था। इस तरह की बल्लेबाजी आजकल विराट कोहली करते हैं। कोहली की बल्लेबाजी का आकलन करते हुए गावसकर ने कहा, अगर आप विराट कोहली की बल्लेबाजी देखें तो एक ही गेंद को टॉप हैंड के इस्तेमाल से एक्स्ट्रा कवर के क्षेत्र में बाउंड्री लगा सकते हैं और उसी गेंद पर बॉटम हैंड से मिड–ऑन और मिड–विकेट के क्षेत्र में चौका लगा सकते हैं। यही वजह है कि वह नंबर एक बल्लेबाज हैं।

अगर चाइनीज कंपनी के बिना हुआ आईपीएल तो कहां से आएगा पैसा?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। हाल ही गलवान घाटी में जो हुआ उसके बाद से ही देश में चीनी सामान के बहिष्कार की मांग उठ रही है। भारतीय क्रिकेट और उसकी टी20 लीग आईपीएल पर यह दबाव बढ़ रहा है कि वह चीनी कंपनियों से मिलने वाली स्पॉन्सरशिप को रद्द करे। इस दबाव के बाद आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल इस सप्ताह मीटिंग करेगी। इस मीटिंग में टूर्नमेंट से जुड़ी सभी चाइनीज स्पॉन्सरशिप का रिव्यू किया जाएगा। बीसीसीआई के लिए चाइनीज कंपनियों का बहिष्कार करना इतना आसान नहीं होगा। इन चीनी कंपनियों से आईपीएल के लिए उसकी 1320 करोड़ की डील है। एक अंग्रेजी अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें ऑन–एयर विज्ञापनों को भी जोड़ दें तो विभिन्न चीनी ब्रैंड्स से उसे 500 करोड़ की कमाई और होती है।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ ने चीनी उपकरणों के इस्तेमाल पर रोक लगाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवानों के शहीद होने के एक सप्ताह बाद चीन से आने वाले उपकरणों को खराब बताते हुए भारतीय भारोत्तोलन महासंघ ने सोमवार को चीनी खेल उपकरणों के बहिष्कार की मांग की। महासंघ ने चीनी कंपनी ‘ जेडकेसी’ से पिछले साल चार भारोत्तोलन सेट मंगवाए थे। महासंघ ने कहा कि उपकरण खराब निकले और भारोत्तोलक उनका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। महासंघ के महासचिव सहदेव यादव ने कहा, ‘हमें चीनी उपकरणों का बहिष्कार करना चाहिए। महासंघ ने फैसला लिया है कि हम चीन में बने किसी उपकरण का इस्तेमाल नहीं करेंगे।’ महासंघ ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को लिखे पत्र में इसकी सूचना दे दी है। यादव ने कहा, ‘भविष्य में भी हम चीनी सेटों का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

मैदान पर अलग ही रंग में नजर आते हैं बुमराहः जयवर्धने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की कामयाबी की बड़ी वजह जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन है। बुमराह 2013 में मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े। गुजरात के इस तेज गेंदबाज ने डप के लिए कई यादगार प्रदर्शन किए। उन्होंने कई अहम मुकाबलों में अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। फिर चाहे वो पारी की शुरुआत में हो या फिर डेथ ओवर्स में सटीक गेंदबाजी करना हो। वहीं बड़ौदा के ऑलराउंडर पंड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया है। तभी तो यह देखकर हैरानी नहीं होती कि मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने इन दोनों खिलाड़ियों की दिल से तारीफ करते हैं। जयवर्धने ने एक स्पोर्ट्स चौनल से कहा, बम्स वैसे तो शांत रहते हैं लेकिन जब वह मैदान पर उतरते हैं तो अलग ही स्तर के जोश से भर जाते हैं।